राजस्थान पत्रिका . जोधपुर .शुक्रवार. 08.12.2017

तकनीकी विषय में करें मातृभाषा का प्रयोग

व्यास कॉलेज में विज्ञान और प्रौद्योगिकी शाखाओं में मानक शब्दावली पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बासनी (जोधपुर) . व्यास इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में 7 व 8 दिसम्बर को 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी शाखाओं में मानक शब्दावली' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय करेगा।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. अशोक धारीवाल व डॉ. जीके जोशी ने कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के प्रथम कुलपति प्रो. दामोदर शर्मा तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जोधपुर के मुख्य अभियंता डॉ. आरके विश्नोई का स्वागत किया। अतिथियों ने सहभागियों को तकनीकी विषय में अधिक से अधिक मातृभाषा का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया तथा कई तकनीकी शब्दों का हिन्दी रूपांतरण भी बताया।

कार्यक्रम के सम्पूर्ण संचालन और समन्वयन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से इंजीनियर मोहन लाल मीणा, ब्यूरो प्रमुख और सहायक निदेशक तथा इंजीनियर जय सिंह रावत, वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में मीना ने तकनीकी शब्दावली की संवैधानिक अधिकारिता तथा महत्व का उल्लेख किया। रावत ने आयोग की गतिविधियों और शब्दावली निर्माण प्रक्रिया और डॉ. एसपी अरोड़ा ने आयोग के प्रारम्भ से अब तक किए गए प्रयासों के बारे में, प्रो. श्रवण मीणा, प्रो. जयश्री वाजपेयी एवं प्रो. अवधेश शर्मा ने विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की तकनीकी शब्दावली को राजभाषा के रूप में दैनंदिनी जीवन में उपयोग पर प्रकाश डाला। स्थानीय तथा अन्य राज्यों से प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी का लाभ प्राप्त किया। स्थानीय समन्वयक प्रो. विकास माथुर, प्रो. हरीश दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापित किया।